Title: ***h Need to merge the operations of 196 Rural Banks in the country to constitute a single National Bank for enabling better services. ***h

श्री श्रीचन्द कृपलानी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि ऑल इंडिया ग्रामीण बैंक वर्कर्स एंड आफिसर्स आर्गनाइज़ेशन के आह्वान पर संसद के बाहर धरना दिया जा रहा है। वित्त मंत्री जी विराजमान हैं, सरकार की जानकारी में है कि हमारे देश में 196 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक हैं और उनमें से 165 बैंक लाभ में चल रहे हैं।

13.00 hrs.

सबसे बड़ी समस्या क्या है कि उन बैंकों को जो अधिकार मिलने चाहिए, वे नहीं मिले हैं। उन्हें 15 प्रतिशत ऋण किसानों को देने का अधिकार मिला हुआ है। मैं आपके माध्यम से माननीय वित्त मंत्री जी से यह निवेदन करना चाहूंगा कि उनकी सबसे बड़ी डिमाण्ड यह है कि इन बैंकों की एक ऐसी यूनियन बनाई जाये, जिसमें इन 196 बैंकों का विलयीकरण किया जाये। विलयीकरण करके उनको ऐसी सुविधाएं दी जायें, जिन सुविधाओं के माध्यम से, जो शहरों के बैंकों ने सुविधाएं दे रखी हैं, वे सुविधाएं ये गांव के लोगों को दे सकें। इन बैंकों को सुविधाएं मिलेंगी तो निश्चित रूप से बड़े उद्योगों को गांवों में बढ़ाने का जो हम विचार करते हैं, उन्हें बढ़ाने का हमें अवसर मिलेगा और जो गांवों के लोग दूरदराज शहरों तक जाते हैं, उनको भी इससे लाभ मिलेगा।

जहां तक मेरी जानकारी है कि 31 तारीख को जो सर्वे हुआ था, उसमें 26 करोड़ रुपये का संचित लाभ इन ग्रामीण बैंकों में हुआ है। हमारा यह मानना है कि यदि इनका विलयीकरण हो जाता है और ग्रामीण विकास बैंक की अगर स्थापना हो जाती है तो प्रतिवर्ा एक हजार करोड़ रुपये का अतिरिक्त लाभ हो सकता है।

मेरा आपके माध्यम से यही निवेदन है कि हजारों लोग जो आज बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं, उनकी डिमांड को मानते हुए वित्त मंत्री जी उन पर ध्यान देंगे और भारतीय राट्रीय ग्रामीण बैंक की जो अनुशंसा थी, जो अभी पूरी नहीं हुई है, उसे पूरा करेंगे। जितनी भी हमारी सरकारी समितियां हैं, उन्होंने और पूर्व सरकार ने भी इस तरह का निर्णय लिया था कि भारतीय राट्रीय ग्रामीण बैंक का विलयीकरण करके उसकी स्थापना की जाये ताकि ग्रामीण बैंकों को वह सुविधा मिल सके। मैं समझता हूं कि ि वत्त मंत्री जी इस पर निश्चित रूप से विचार करेंगे और हमारे गांव के लोगों को ज्यादा से ज्यादा उसका लाभ मिल सकेगा।

इतना ही मुझे निवेदन करना है।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by Shri Kriplani.

1. श्री संतोा गंगवार,
2. श्री गिरधारी लाल भार्गव,
3. प्रो. रासा सिंह रावत,
4. श्री किशन लाल सांगवान,
5. श्री जसवंत सिंह बिश्नोई,
6. डॉ. रामकृण कुसमरिया,
7. श्री सुरेश अंगड़ि,ऊ
8. श्री कृणा मुरारी मोघे,
9. श्री बिक्रम केशरी देव,
10. डॉ. वल्लभभाई कथीरिया।

Hon. Members, I need your guidance. Firstly, I called those 21 hon. Members who have not raised any matter during this week. There are 19 more names who have raised issues earlier also. Now, a very respected member of the BAC is here. Let him say if all the hon. Members want to sit late. Otherwise, the remaining 19 Members can give notice on Monday, I will allow them.

SOME HON. MEMBERS: Let us adjourn.

MR. SPEAKER: The House stands adjourned to meet again at 2.00 p.m.

13.02 hrs.

The Lok Sabha then adjourned for lunch till

Fourteen of the Clock.